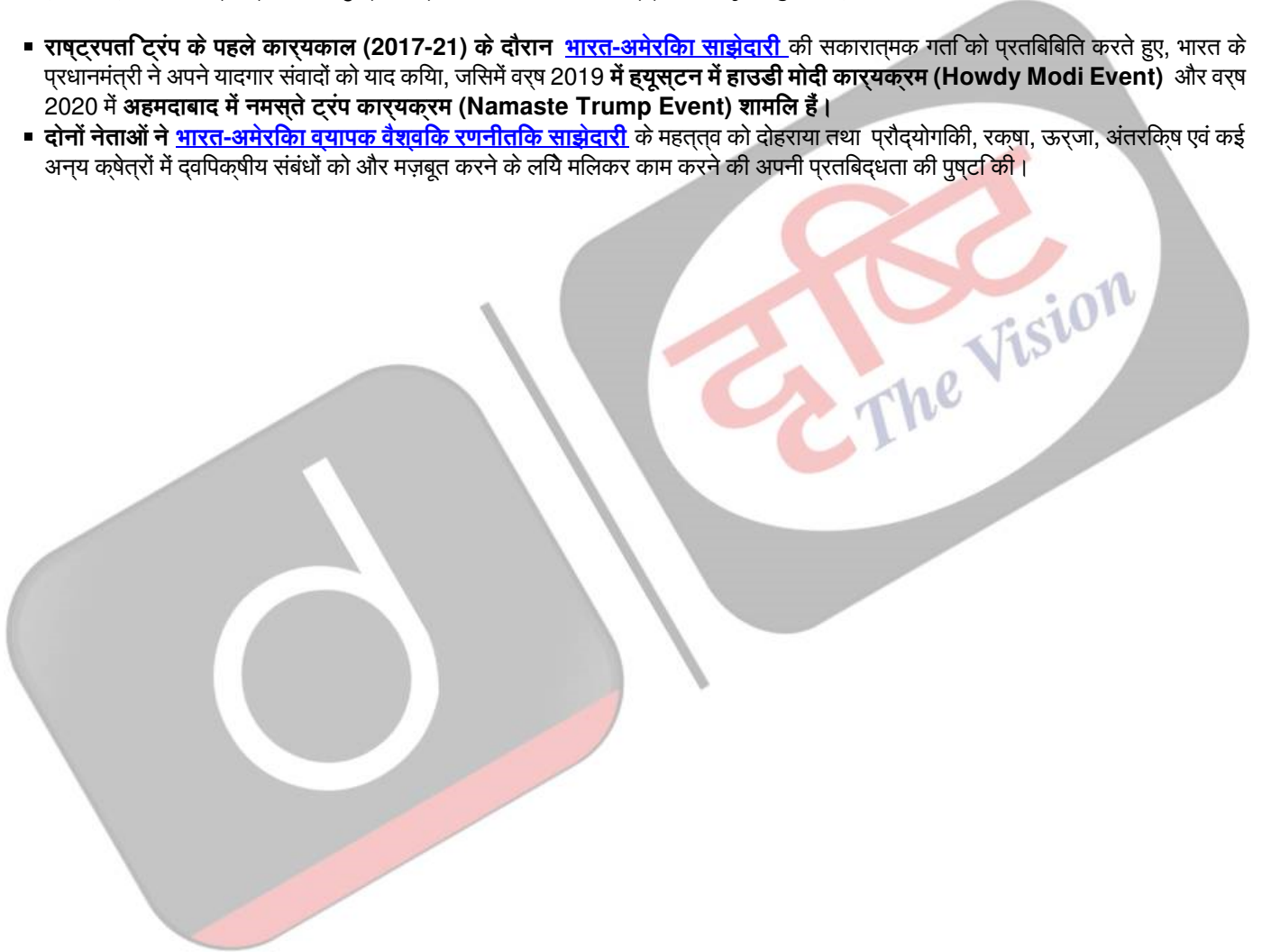


डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति

स्रोत: पी. आई. बी.

भारत के प्रधानमंत्री ने डोनाल्ड ट्रंप को संयुक्त राज्य अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति के रूप में पुनः निर्वाचन होने पर बधाई दी।

- राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017-21) के दौरान [भारत-अमेरिका साझेदारी](#) की सकारात्मक गति को प्रतबिंबित करते हुए, भारत के प्रधानमंत्री ने अपने यादगार संवादों को याद किया, जिसमें वर्ष 2019 में **ह्यूस्टन में हाउडी मोदी कार्यक्रम (Howdy Modi Event)** और वर्ष 2020 में **अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम (Namaste Trump Event)** शामिल हैं।
- दोनों नेताओं ने [भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी](#) के महत्त्व को दोहराया तथा परौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष एवं कई अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मज़बूत करने के लिये मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।



भारत अमेरिका साझेदारी

आर्थिक संबंध



- वर्ष 2022-23 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार अमेरिका बन गया है, उसके बाद चीन और UAE का स्थान आता है
- वर्ष 2022-23 में द्विपक्षीय व्यापार में 7.65% की वृद्धि हुई है (2021-22 की तुलना में)

रक्षा सहयोग



- भारत-अमेरिका रक्षा त्वरित पारिस्थितिकी तंत्र (INDUS-X), 2023: स्टार्ट-अप और तकनीकी कंपनियाँ उन्नत प्रौद्योगिकियों के सह-विकास और सह-उत्पादन पर सहयोग करेंगी
- फाइटर जेट डील, 2023: जनरल इलेक्ट्रिक (GE-General Electric) की F414 इंजन तकनीक और विनिर्माण को भारत के तेजस Mk2 जेट के लिये स्थानांतरित किया जाएगा, जिससे इसकी स्वदेशी क्षमताओं में वृद्धि होगी
- रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल (DTTI), 2012: रक्षा विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में सहयोग की सुविधा के लिये
- भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के लिये नई रूपरेखा, 2005: वर्ष 2015 में 10 वर्षों के लिये अद्यतन किया गया

भारत द्वारा अमेरिका के MQ-9B सीगाजियन UAVs के अधिग्रहण को मंजूरी दी गई है

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी



- महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर पहल (iCET), 2022: AI, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और वायरलेस दूरसंचार आदि क्षेत्रों में CET पर सहयोग
- महत्वपूर्ण खनिज साझेदारी: हाल ही में, भारत महत्वपूर्ण वैश्विक ऊर्जा और खनिज आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिये अमेरिका के नेतृत्व वाली खनिज सुरक्षा साझेदारी (MSP) में शामिल हुआ।
- अंतरिक्ष में सहयोग: नासा, इसरो के अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षित करेगी, जिसका लक्ष्य वर्ष 2024 में एक संयुक्त अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) मिशन है।
- आर्टिमिस समझौता: भारत द्वारा हस्ताक्षरित ग्रहों की खोज और अनुसंधान में अंतराष्ट्रीय सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिये अमेरिका के नेतृत्व वाला गठबंधन;
- नासा इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (NISAR): पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र में परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय परिवर्तनों को समझने के लिये

नागरिक परमाणु समझौता



- नागरिक परमाणु सहयोग: द्विपक्षीय नागरिक परमाणु सहयोग समझौते पर अक्टूबर 2008 में हस्ताक्षर किये गये

ऊर्जा एवं जलवायु परिवर्तन



- संयुक्त स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान और विकास केंद्र (JERCDC), 2010: स्वच्छ ऊर्जा नवाचारों को बढ़ावा देने के लिये भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के वैज्ञानिकों की टीमें द्वारा प्रस्तावित
- स्वच्छ ऊर्जा एजेंडा 2030 साझेदारी: लीडर्स जलवायु शिखर सम्मेलन 2021 में लॉन्च किया गया
- वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (भारत, ब्राजील और अमेरिका), 2023: इसका उद्देश्य परिवहन क्षेत्र सहित धारणीय जैव ईंधन के उपयोग को प्रोत्साहन एवं गति प्रदान करना है।

सुरक्षा



- आतंकवाद-रोधी सहयोग पहल, 2010: आतंकवाद-निरोध, सूचना साझाकरण और क्षमता निर्माण पर सहयोग का विस्तार करना

चार मूलभूत समझौते

- जनरल सिक्वोरिटी ऑफ़ मिलिट्री इनफार्मेशन एग्रीमेंट (GSOMIA), 2002: सेनाओं को उनके द्वारा एकत्रित की गई खूफिया जानकारी साझा करने की अनुमति देता है
◆ औद्योगिक सुरक्षा अनुबंध, 2019 GSOMIA का एक हिस्सा है
- लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ़ एग्रीमेंट (LEMOA), 2016: दोनों देशों को ईंधन भरने और पुनःपूर्ति के लिये नामित सैन्य सुविधाओं तक पहुँच प्राप्त होती है।
- संचार अनुकूलता और सुरक्षा समझौता (COMCASA), 2018: अमेरिका से भारत में अत्यधिक संवेदनशील संचार सुरक्षा उपकरणों के हस्तांतरण के लिये एक कानूनी रूपरेखा
- बुनियादी विनिमय और सहयोग समझौता (BECA), 2020: दोनों देशों को एक-दूसरे के साथ भू-स्थानिक और उपग्रह डेटा साझा करने की अनुमति देता है।

वर्ष 2015 में, दोनों देशों ने दिल्ली में ऐतिहासिक घोषणा जारी की और एशिया-प्रशांत एवं हिंद महासागर क्षेत्र के लिये एक संयुक्त रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाया।

भारतीयों के मध्य लोकप्रिय विज्ञान में एच-1बी, एल शामिल हैं। भारतीय नागरिक अमेरिका में सबसे बड़ा विदेशी छात्र समुदाय बनने के लिये तैयार हैं (2022 में 20% की वृद्धि)



Drishti IAS

और पढ़ें: [भारत-अमेरिका साझेदारी](#)